स्थापित– 1961

आर.एम.पी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीतापुर

(सहयुक्त–लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ)

पत्रांक 96/PB/2025-26

दिनांक 07/01/2026

वयम कार्यशाला प्रतिभाग सूचना

उच्च शिक्षा प्रयागराज के पत्रांक संख्या डिग्री विकास /2374 दिनांक 3.12.2025 के द्वारा ज्ञात हुआ है कि ज्ञानोदय परिषद के माध्यम से प्रयागराज में आयोजित हो रहे कार्यक्रम Vayam-2026 Vision Accord Of Youth For Advancing Mankind मानवता के उत्थान की युवा दृष्टि कार्यक्रम माघ मेला 2026 में छात्र/छात्राओं हेतु एक कार्यशाला माधमेला 2026 सेक्टर 2 तीर्थराज प्रयाग संगम क्षेत्र उत्तर प्रदेश में आयोजित की जा रही है। जिसमें महाविद्यालय से 25 छात्र/छात्राऐं प्रतिभाग कर सकते है। इच्छुक छात्र/छात्राऐं अपना नाम 9 जनवरी तक श्री अजीत कुमार यादव असि0 प्रो0 हिन्दी विभाग के पास अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें।

प्राचार्य
आर.एम.पी.(पीजी) कालेज
सीतापुर

E-mail : rmppgc@gmail.com कोड : (05862) कार्या : 298265 पिनकोड :- 261001

Scanned with OKEN Scanner

महत्वपूर्ण/ई – मेल

प्रेषक,

शिक्षा निदेशक (उ0शि0),उ0प्र0,
शिक्षा डिग्री विकास अनुभाग,
उच्च शिक्षा निदेशालय,
प्रयागराज।

सेवा में,

समस्त प्राचार्य,
राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक:- डिग्री विकास/ 2374 /2025-26 दिनांक – 03/12/2025

विषय – राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के लक्ष्यों पर केन्द्रित कार्यक्रम "वयम – 2026" में सभी राजकीय एवं अराजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों व अन्य के अनिवार्य सहभागिता के निर्देश के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक इस पत्र के साथ संलग्न ज्ञानोदय परिषद के पत्र दिनांक 02 दिसम्बर, 2025 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के लक्ष्यों पर केन्द्रित कार्यक्रम "वयम – 2026" में सभी राजकीय एवं अराजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों व अन्य के अनिवार्य सहभागिता के निर्देश के सम्बन्ध में है।

उक्त के संबंध में अवगत कराना है कि मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में माघमेला – 2026 प्रयागराज एक वैश्विक आयोजन हो रहा है जिसमें ज्ञानोदय परिषद एक भारतीय ज्ञान परम्परा क्रियान्वयन एवं नीति अनुसंधान पर कार्यरत अखिल भारतीय संगठन/संस्थान है। परिषद भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परम्परा के मूल्यों के विस्तार के क्षेत्र में निरन्तर कई वर्षों से विश्वव्यापी अभियान में कार्यरत है। परिषद का प्रमुख उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा को आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व को सौष्ठव प्रदान करना है। इन्हीं भाव भावना को दृष्टिगत रखते हुए गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी परिषद वयम – 2026 (VAYAM : Vision Accord of Youth for Advancing Mankind – मानवता के उत्थान की युवा दृष्टि) कार्यक्रम माघमेला 2026 तीर्थराज प्रयाग में आयोजित कर रहा है, जिसमें समस्त राजकीय एवं अराजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों व अन्य के समग्र व्यक्तित्व विकास कार्यशाला हेतु आह्वान व आमंत्रित कर रहा है। हम सब अवगत हैं कि माघमेला विश्व का श्रेष्ठतम ऐतिहासिक आयोजन होता है जिसमें भारत की विराट संस्कृति की समग्र अनुभूति होती है। प्रतिभागी माघमेला विश्व के श्रेष्ठतम आयोजन के व्यवस्थित समूह के स्वरूप का भी विशेष अवलोकन प्राप्त कर सकेंगे। परिषद ने वयम – 2026 कार्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के लक्ष्यों पर केन्द्रित किया है।

उपरोक्त पत्र दिनांक 02 दिसम्बर, 2025 में प्रत्येक राजकीय व अराजकीय महाविद्यालयों को न्यूनतम 25 अथवा इससे अधिक विद्यार्थियों व अन्य का पंजीयन कराकर कार्यक्रम में आवश्यक रूप से भेजने का अनुरोध किया गया है।

अतएव आप सभी से यह अपेक्षा की जाती है कि उपरोक्त पत्र में दिये गये दिशा निर्देश के क्रम में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

डॉ0 (बी0एल0 शर्मा)
सहायक शिक्षा निदेशक (उ0 शि0),
कृते शिक्षा निदेशक (उ0शि0),
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

STARTUP INDIA

विकसित भारत अभियान

Digital India

Skill India

युवाओं का आह्वान राष्ट्रीय शिक्षा नीति

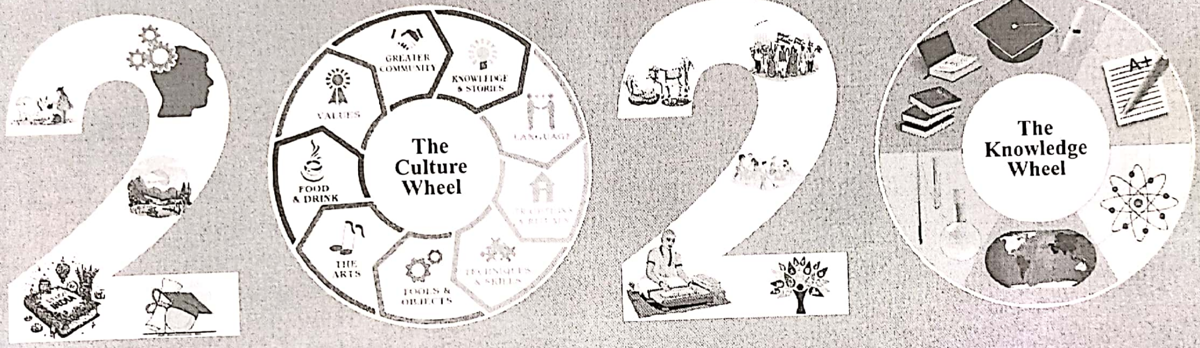

के लक्ष्यों व भारतीय ज्ञान परम्परा के मूल्यों पर आधारित कार्यक्रम

वयम - 2026

Vision Accord of Youth for Advancing Mankind

मानवता के उत्थान की युवा दृष्टि

समग्र व्यक्तित्व विकास की पाठशाला

10 जनवरी - 03 फरवरी 2026

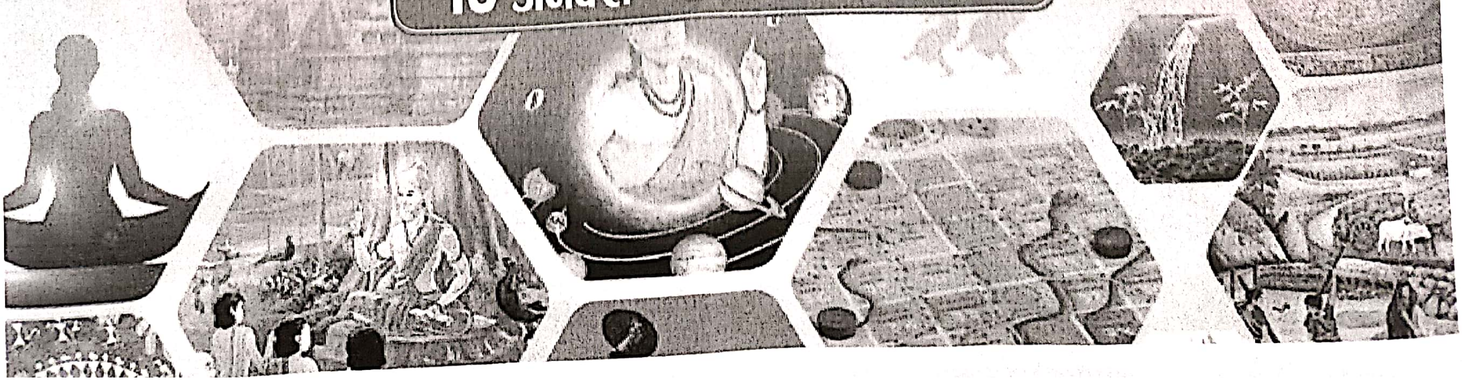

वयम यथारूप

'अहं' का विलोम नहीं विस्तार है वयम । 'अहम् ब्रह्मास्मि' से 'तत् त्वमसि' की यात्रा है वयम ।

दैवीय शक्तियों का सार है वयम। सज्जन वृतियों की पुकार है वयम ।

शुभ संकल्पों का आधार है वयम। मानवता का उद्धार है वयम ।

सुग्रीव और विभीषण का राम है वयम। किष्किंधा का हनुमान है वयम ।

सीता का वरदान है वयम। भारत का सामूहिक गान है वयम।

भविष्य का उत्थान है वयम। कल आज और विहान है वयम ।

जय-जवान, जय-किसान है वयम। जय-स्वधर्मबोध, जय-विज्ञान है वयम ।

प्रकृति व मानवता का उत्थान है वयम ।

'वयम' एक संकल्पना

[illegible] सब समाहित करता है संपूर्ण सृष्टि को। भेद रहित दृष्टि का प्रथम सोपान है वयम। इसका विस्तार केवल [illegible] जाति तक सीमित नहीं है, यह चराचर जगत तक विस्तीर्ण है। हमारे पुरखों के सपनों का साक्षी है वयम। हमारे पूर्वजों की आशाओं का समुच्चय है वयम। हमारी प्रेरणा है वयम। हमारा आदर्श है वयम ।

इसकी [illegible] के मूल में है हमारी वैदिक उद्घोषणा कि "[illegible] जगत ही हमारा कुटुम्ब है।" हमारे ऋषि-मुनियों ने [illegible] दिया और हमारे हाथों में सौंप दिया मनुष्यता का गौरव। [illegible] स्वयं को मनुष्यता का योग्य उत्तराधिकारी सिद्ध कर सकते हैं।

वयम अर्थात 'हम सब' [illegible] क्योंकि हमारे पास ही ईश्वर द्वारा दिया गया आशापूर्ण आश्वासन है कि "यदा यदा हि धर्मस्य..." हम ही हैं जो सफल कर सकते हैं इन विचारों को, कर्म में बदलकर, कर्तव्य को कृतित्व में बदलकर और सुफल कर सकते हैं पूर्वजों द्वारा सौंपी गई ज्ञान परंपरा को।

पिछली [illegible] में हमने सपना देखा शांतिपूर्ण संसार का, [illegible] का [illegible] हमें निराशा हाथ लगी। [illegible] सुकाओं का घना जंगल, जिसमें विचारों का शोर है। [illegible] तो हैं पर [illegible] नहीं, विचार तो है पर विचारधारा नहीं। विचार [illegible] पर उन्हें औजार नहीं बनाया जा सका। [illegible] विचार को सामान्य [illegible] के लक्ष्य को प्राप्त [illegible]? यह सवाल हमारे सामने हमेशा खड़ा रहेगा। इसके लिए [illegible] उत्साह और आवश्यक ऊर्जा कहां से प्राप्त करें? इसका स्रोत क्या हो? इन सभी गंभीर और जटिल लगने वाले प्रश्नों का सरल उत्तर है कि जिस [illegible] [illegible] और जिन मस्तिष्कों ने इन प्रश्नों को जन्म दिया है, वही इसका उत्तर भी दे सकते हैं अर्थात इसका उत्तर [illegible] नहीं है बल्कि इसका उत्तर है बहुवचन 'वयम' अर्थात 'हम सब'। हमारे हृदय में उठने वाली इस आकुलता [illegible]

[illegible]

'वयम' क्या है यह एक शब्द नहीं है.. वयम बहुत ही व्यापक अवधारणा है। वयम एक कार्यक्रम है। वयम एक आयोजन है। वयम एक परियोजना है। वयम एक उद्देश्य है। वयम एक आदर्श है। वयम एक मान्यता है। वयम एक कार्य योजना है। वयम एक लक्ष्य है। और सबसे बढ़कर वयम एक शुभ संकल्प है..

Scanned with OKEN Scanner

"वयम" के कार्यक्रम

सोच-SOCH

Spiritual Orientation for good Community Health

सुंदर सामुदायिक जीवन के लिए आध्यात्मिक तैयारी

• [illegible] • आयुर्वेद • [illegible]

ज्ञान-GYAN

Growing Belongingness amongst Youth And Nurturing Joyful life

युवाओं में अपनत्व का विकास और आनंदपूर्ण जीवन का आस्वादन

• सामुदायिक सेवा • दायित्व बोध का विकास • [illegible] का बोध • प्राकृतिक जीवन [illegible]

मित्र-MITR

Mental Integration for Transformation of Relationship

सामाजिक संबंधों के रूपांतरण का मानसिक संयोजन

• मनोवैज्ञानिक परीक्षण • करियर काउंसलिंग • मोटिवेशन

भाव-BHAV

Balancing Human Behavior and Adopting Vision document

[illegible] व्यवहार का संतुलन

• [illegible] • [illegible] • [illegible] • [illegible]

तर्क-TARK

Training for Adopting the Religious Knowledge

धार्मिक ज्ञान के [illegible] हेतु प्रशिक्षण

• [illegible] की प्रासंगिकता • [illegible] • [illegible]

सत्य-SATY

Sanatan Values And Teachings for Youth

युवाओं के लिए सनातन की शिक्षा और जीवन मूल्य

• आध्यात्मिक जीवन के विविध स्तर और उनके आयाम

कौशल,तकनीकि व उद्यमिता आधारित रोजगार पाठशाला

• [illegible] • तकनीकि विकास कार्यक्रम • उद्यमिता विकास कार्यक्रम • [illegible]

आदर्श व प्राकृतिक जीवन शैली की दिनचर्या के विशिष्ट वातावरण में...

- [illegible] ब्रह्म मुहूर्त में जागरण [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible] पोषण युक्त भोजन • [illegible]
- [illegible] समाज को विकसित [illegible] का विशेष विशेषज्ञ मार्गदर्शन
- [illegible] जीवन को स्वस्थ-सहज बनाने का विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक मार्गदर्शन
- [illegible] स्वयं की पहचान का विशेषज्ञों द्वारा तर्क आधारित वैज्ञानिक व व्यावहारिक मार्गदर्शन
- [illegible] खेल मनोरंजन का आकर्षक आनंदमय वातावरण
- [illegible] चिकित्सा व घरेलू उपायों पर विशेषज्ञों द्वारा तर्क-आधारित वैज्ञानिक व व्यावहारिक मार्गदर्शन
- [illegible] जीवन-दर्शन व जीवन मूल्यों पर अनुभवजन्य विशेषज्ञों द्वारा प्रामाणिक मार्गदर्शन
- [illegible] का लक्ष्य व आत्म-साक्षात्कार का विशेष विशेषज्ञ मार्गदर्शन
- प्रकृति, समाज और प्राणियों से [illegible] संतुलन एवं सामंजस्य पर आधारित व्यावहारिक कार्यक्रम
- [illegible] सामाजिक और आत्मिक कर्तव्यबोध कार्यक्रम
- [illegible] परिवार, समुदाय और समाज कल्याण के कर्तव्यबोध आधारित कार्यक्रम
- [illegible] उद्यमिता व रोजगार हेतु विशेष विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

Scanned with OKEN Scanner

- 100+ उच्च शिक्षण संस्थानों का आह्वान
- 100+ योग विशेषज्ञों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान
- 100+ प्रतिष्ठित उद्यमियों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान
- 100+ प्रतिष्ठित स्टार्टअप संस्थानों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान
- 100+ विश्वभर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान
- 100+ भारतीय मूल के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान
- 100+ भारतीय मूल के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान
- 100+ प्राकृतिक, आयुर्वेद, योग, होम्योपैथिक, फिजियोथेरेपी व एलोपैथिक चिकित्सा के विशेषज्ञों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान

पंजीयन हेतु Scan QR

विशेष

1. सभी को कार्यशाला का प्रशस्तिपत्र/प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से प्रदान किया जाएगा
2. कार्यशाला के दौरान होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता होने पर प्रशस्तिपत्र/प्रमाणपत्र व पुरस्कार प्रदान किया जाएगा
3. खेल व योग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रशस्तिपत्र/प्रमाणपत्र व पुरस्कार प्रदान किया जाएगा

कार्यक्रम स्थल माघ मेला-2026 सेक्टर-2 तीर्थराज प्रयाग संगम क्षेत्र प्रयागराज उत्तर प्रदेश

+91 9454713121 info@gyanodayparishad.org www.gyanodayparishad.org

Organized By

ज्ञानोदय परिषद

GYANODAY PARISHAD

Research • Knowledge • Culture • Nation

Council for Indian Knowledge Tradition Execution & Policy Research

Gyanoday Parishad/@gyanodayparishad

Scanned with OKEN Scanner